

सुविधायें उपलब्ध हैं, उन स्थानों की राज्य-वार सूची सभा पटल पर रखी गई है। [ग्रन्थालय में रखा गया। देखिए संख्या

LT—362/77]

Indians deported from Kenya

633. DR. VASANT KUMAR PANDIT: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether 20 Indians viz., Dr. Yusuf Najamuddin brother of Bohra Head Priest Dr. Syedna Burranuddin and his party of nineteen were deported on or about 15th March, 1977 by the Government of Kenya for indulging in anti-social activities; and

(b) if so, has the Government enquired into the matter and if so, the facts of the case?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE): (a) and (b). Dr. Najamuddin and a party of 11 arrived in Kenya on 21st December, 1976. They took part in several Bohra community functions, including the inauguration of a new Jamait Hall by the Kenyan Foreign Minister. On 16th March, 1977, while on a visit to Mombasa, the visitor permits of the party were cancelled. However, they were later permitted by the Kenyan authorities to extend their stay, and the party actually left Nairobi on 23rd March, 1977.

Government has been kept informed of the incident by our High Commissioner in Nairobi. While no reasons were given for the cancellation of the party's visitor permits, it is believed that the Kenyan authorities feared that Dr. Najamuddin's continued stay would provoke disturbances between opposed sections of the Bohra community. According to our information Dr. Najamuddin and his party were not charged with any anti-social activities, neither were they deported.

गुजरात में पासपोर्ट के लिये प्राप्त आवेदन-पत्र

634. श्री धर्मासिंह भाई पटेल : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात में 1 अप्रैल, 1976 से 31 मार्च, 1977 तक की अवधि में पासपोर्ट के लिए कितने आवेदन-पत्र प्राप्त हुए;

(ख) कितने व्यक्तियों को पासपोर्ट दिये गये ; और

(ग) इस समय गुजरात में कितने आवेदन पत्र निर्णयाधीन पड़े हैं और उसके क्या कारण हैं ?

विदेश मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : (क) गुजरात में 1 अप्रैल, 1976 से 31 मार्च, 1977 की अवधि में 78,539 आवेदन-पत्र ऐसे व्यक्तियों से प्राप्त हुए थे जिनके पास पहले पारपत्र नहीं थे।

(ख) इस अवधि में ऐसे आवेदकों को 61,393 पारपत्र जारी किए गए थे।

(ग) 30 अप्रैल, 1977 को गुजरात में विचाराधीन आवेदनों की संख्या 25,129 थी। इनमें से 3,693 मामलों में आवेदकों से अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी उसके अभाव में रुके पड़े थे और 500 आवेदन अन्य संग्रहों से उत्तर प्राप्त नहीं होने के कारण लम्बित थे। लगभग 16,000 आवेदन 1 जनवरी, 1977 से 31 मई, 1977 की अवधि में, 1976 में इसी अवधि के मुकाबले, काम में 40 प्रतिशत की वृद्धि को पूरा करने के लिए कर्मचारियों की अপর्याप्तता के कारण रुके पड़े थे।